TEST CODE	6	1	4	3	0	1

FIAS – MGP 2023 – GS PAPER 4_FLT | #4

Time Allowed : Three Hours
समय : तीन घंटे

ForumIAS

Maximum Marks : 250
अधिकतम अंक : 250

GENERAL STUDIES / सामान्य अध्ययन

Name Of Candidate परीक्षार्थी का नाम	Arpit Kumar.		
Roll No./अनुक्रमांक	1910083688.	Medium/माध्यम	English ☐ हिंदी ☑
Center Code/परीक्षा केंद्र	1903	Date/दिनांक	07/09/23.

*Center Code : For Online - 1900 / Delhi : Karol bagh - 1901, ORN - 1902, Mukharji Nagar - 1903 / Patna : Boring Rd. - 2001 / Hyderabad : Jawahar Nagar - 2101

INDEX TABLE / अनुक्रमणिका

Q. No. प्र.सं.	Max. Marks अधिकतम अंक	Marks Obtained प्राप्तांक
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
Total/कुल अंक	250	

Evaluator's Discretion/मूल्यांकन कर्ता का विवेक :

Total Marks/कुल अंक :

*Examiner's Discretion is the marks awarded at the discretion of the examiner based on your overall impression, on the basis of (but not limited to) your handwriting, presentation, use of diagrams, flowcharts, facts and figures or absolutely anything that he/she liked in your copy.

मूल्यांकन कर्ता का विवेक अंक, आपकी लिखावट, प्रस्तुति, आरेखो के उपयोग, फ्लोचार्ट, तथ्यों और आंकड़ों या समग्र रूप किसी अन्य विषय वस्तु, जो मूल्यांकन कर्ता को आपकी कॉपी में पसंद आयी के आधार पर (लेकिन इन्हीं तक सीमित नहीं) पर दिए गए अंक हैं।

INSTRUCTION / अनुदेश

1. Please do furnish Name, Email, Roll No and Mobile in the answer sheet.
कृपया उत्तर–पुस्तिका में नाम, ईमेल, रोल नंबर और मोबाइल नंबर भरें।

2. There are TWELVE questions printed in ENGLISH & HINDI, all questions are compulsory.
उत्तर पुस्तिका में अंग्रेजी/हिंदी में बारह प्रश्न दिए गए हैं, सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

3. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए निर्धारित अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।

4. Answers must be written in the medium authorized in the admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided.
उत्तर प्रवेश पत्र में अधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जो कि दिए गए स्थान में इस प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के कवर पर स्पष्ट रूप से लिखा जाना चाहिए।

5. Word limit in questions, if specified, should be adhered to. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum Answer Booklet must be clearly Struck off.
प्रश्नों में शब्द सीमा, यदि निर्दिष्ट हो, का पालन किया जाए। प्रश्न–सह–उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गये किसी भी पृष्ठ या पृष्ठ के भाग को स्पष्ट रूप से काट दें।

For Student Only / केवल परीक्षार्थी प्रयोग हेतु

Start Time/प्रारंभ करने का समय :	End Time/समाप्त करने का समय :
2:00 pm	5:00 pm
Mode Of Examination/ परीक्षा की विधि : Offline.	Online/ऑनलाइन ☐ Offline/ऑफलाइन ☑

For Office Use Only / केवल कार्यालय प्रयोग हेतु

ECN CODE/ ईसीएन कोड :	EG/ईजी : ① ② ③ ④ ⑤	Evaluation Date/ मूल्यांकन तिथि :

Note: You can discuss your evaluated copy with the Mentor. Raise a ticket from your portal to schedule a mentor call or visit the offline centre to meet mentor (all 7 days, Timings - 11 AM to 6 PM). Further if you are unsatisfied with the evaluation, you can seek re-evaluation of the copy.

EXAMINER'S REMARKS

ForumIAS

CRITERIA FOR THE FEEDBACK SECTION AT THE END OF EACH QUESTION

1. **AWIS = Answered What is Asked.** This means whether you have addressed the core demand of the question or not. Addressing the core demand of the question gets you an objectively fair score. It is examiner's perception if you have understood the question and if you know the answer in the first place. Creative answer writing, sometimes missing the core demand, may fetch very high or very low scores, and exposes your answer to the subjectivity of the examiner.
2. **CD & VA = Content Density & Value Addition.** Examiner will evaluate the quality and quantity of your content in the answer. In the same word limit and space limit have you (a) written what is asked (b) gone beyond what is asked (c) enriched answers through combination of (but not all!) suggestions, ideas, quotes, flowcharts, diagrams, facts and figures, data etc. This affects objective components of assessment.
3. **S & F = Structure & Flow** = Whether you have structured your answer properly or not. Whether the answer has been broken into parts and sub-parts and each part has been addressed appropriately or not. Whether the flow of the answer is maintained. Affects both subjective and objective components of assessment.
4. **P & R** = How your answer performs on the criteria of **presentation, ease of read, clarity and apparent effort** in writing the answer. This affects the subjective components of assessment.

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Forum IAS

Section - A

Q.1) a) The influence of ethical principles on shaping socially responsible behavior is widely acknowledged. How do ethical values facilitate individuals in cultivating a proactive and constructive attitude towards fulfilling their social responsibilities? Can the subjective nature of ethical principles lead to divergent attitudes regarding social responsibility?

(10 marks, 150 words)

सामाजिक रूप से जिम्मेदार व्यवहार को आकार देने पर नैतिक सिद्धांतों के प्रभाव को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाता है। नैतिक मूल्य व्यक्तियों को उनकी सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के प्रति सक्रिय और रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करने में कैसे सुविधा प्रदान करते हैं? क्या नैतिक सिद्धांतों की व्यक्तिपरक प्रकृति सामाजिक जिम्मेदारी के संबंध में भिन्न दृष्टिकोण उत्पन्न कर सकती है?

(10 अंक, 150 शब्द)

नैतिक मूल्य समाज में शुभ की प्राप्ति तथा संचालन हेतु प्रत्येक व्यक्ति पर नैतिक दबाव के रूप में कार्य करते हैं। यथा - ईमानदारी का मूल्य जो व्यक्ति को भ्रष्ट होने से रोकता है।

नैतिक मूल्यों द्वारा सामाजिक जिम्मेदारी की पूर्ति हेतु सक्रिय और रचनात्मक दृष्टिकोण।

(i) नैतिक मूल्य एक ही समय प्रोत्साहन तथा दबाव के रूप में कार्य करते हैं। यथा - तटस्थ न्याय करने पर व्यक्ति की सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि।

वहीं भेदभाव करने पर सामाजिक बहिष्कार।

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

III. नैतिक मूल्यों से निर्देशित कार्य व्यक्ति को उसकी सामाजिक जिम्मेदारी के निर्वहन का बोध यथा- करुणापूर्ण व्यवहार द्वारा वंचितों का कल्याण

IV. नैतिक मूल्य समावेशी समाज की दिशा में सहायक होते है-

हालांकि नैतिक मूल्य, प्रकृति में आत्मनिष्ठ भी होते हैं जो दृष्टिकोण में भिन्नता लाते हैं यथा-

I. किसी व्यक्ति द्वारा अहिंसा के मूल्य में कम निष्ठा यथा भारत में क्रांतिकारी स्वतंत्रता आंदोलन

II. पर्यावरणीय मूल्यों में समाज में प्रायः मतभिन्नता कायम

III. वर्तमान में समलैंगिक अधिकारों के प्रति मूल्य भिन्नता।

"हालांकि प्रयास किया जाना चाहिए कि साध्य मूल्यों यथा (अहिंसा, करुणा,) में भिन्नता कम से कम हो और जवाबदेह नागरिक समाज का निर्माण हो सके।"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

b) Write short notes on the following: (10 marks, 150 words)
(i) Moral equilibrium
(ii) Emotional strength
(iii) Ethical pluralism
(iv) Moral courage
(v) Ethical fading

निम्नलिखित पर संक्षिप्त नोट्स लिखें : (10 अंक, 150 शब्द)
(i) नैतिक साम्य
(ii) भावनात्मक प्रबलता
(iii) नीतिपरक बहुलवाद
(iv) नैतिक साहस
(v) नीतिपरक क्षीणनता

नैतिक साम्य :

नैतिक साम्य से तात्पर्य व्यक्ति के कार्यों तथा विश्वासों में नैतिक मूल्यों के पर्याप्त समावेश से है। साथ ही यह व्यावसायिक पक्षों में नैतिकता की सह-संबद्धता से भी है यथा भारत में टाटा कंसल्टेंसी की व्यावसायिक पद्धतियाँ।

भावनात्मक प्रबलता

भावनात्मक प्रबलता, नैतिक मूल्यों यथा करुणा, न्याय, सेवाभावना के प्रति भावों की तीव्र उपस्थिति से है, यह प्रायः अच्छी होती है किंतु कहीं कहीं यह आतंक भी बनती है

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

PDS के तहत वंचित वर्गों को शामिल करने हेतु लोक प्रशासक में भावनात्मक प्रबलता।

नीतिपरक बहुलवाद:
जब समाज में कुछ नैतिक मूल्य प्रभाविता तथा बहुमत के साथ आते हैं यथा: गांधीवादी राजनीति में अहिंसा व करुणा के मूल्य

नैतिक साहस:
जब व्यक्ति, सिविल सेवक अपने नैतिक मूल्यों, मान्यताओं पर अडिग रहते हैं यथा: लाल बहादुर शास्त्री, भारत में खाद्यान्न संकट के दौरान।

नीतिपरक क्षीणता:
यह स्थिति तब उत्पन्न होती है जब नैतिक मूल्यों में असमंजस की स्थिति आती है यथा- अहिंसा के मूल्य से प्रेरित होकर दर्द में कराहते जानवर को मुक्ति देने पर असमंजस।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.2) a) Through their actions, interactions, and teachings, schools have the power to mold the moral compass of the next generation. In this perspective, discuss the significance of value-based education in preparing the youth to address the contemporary challenges of society.

(10 marks, 150 words)

अपने कार्यों, पारस्परिक व्यवहार और शिक्षाओं के माध्यम से, स्कूलों में अगली पीढ़ी के नैतिक ढांचे को ढालने की शक्ति होती है। इस परिप्रेक्ष्य में, युवाओं को समाज की समकालीन चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार करने में मूल्य-आधारित शिक्षा के महत्व पर चर्चा कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

डॉ. कलाम के अनुसार स्कूल तथा शिक्षक राष्ट्र निर्माण का साधन है क्योंकि उन पर भावी पीढ़ी को नैतिक बनाने की जिम्मेदारी होती है.

युवाओं हेतु समाज की समकालीन चुनौतियाँ

चुनौतियाँ:

- वंचित वर्गों का बहिष्करण. SC, ST तथा महिला वर्ग का बहिष्करण
- उपभोक्तावाद. पर्यावरण का दोहन बढ़ना.
- व्यावसायिकता तथा नैतिकता की कमी. गांधी जी के अनुसार यह सात पापों में से एक.
- असहिष्णुता में वृद्धि. भारत में हेट स्पीच में पिछले वर्ष के मुताबिक 500% की वृद्धि: NCRB.

मूल्य आधारित शिक्षा का महत्व

1. मूल्य आधारित शिक्षा भारत की समृद्ध नैतिक परंपरा को सुदृढ़ करेगी

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

यथा: विवेकानंद, बुद्ध, राधाकृष्णन की शिक्षाएं।

II. वर्तमान में भारत नियम आधारित विश्व व्यवस्था को आकार दे रहा है। मूल्य आधारित शिक्षा इसमें नैतिकता को शामिल

III. AI तथा प्रौद्योगिकी युग में न्याय तथा कल्याण से चालित युवा श्रम तथा तकनीकि में सामंजस्य स्थापित।

IV. भारत की बहुलवादी सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु आवश्यक।

- धार्मिक सद्भाव।
- वर्गीय, जातीय समावेशिता।

V. अहिंसा तथा त्याग जैसे मूल्य प्रकृति को सहगामी मानकर उसके संरक्षण को प्रोत्साहित करेंगे।

"नयी शिक्षा नीति-2020, भारत में मूल्य आधारित शिक्षा का आदर्श स्थापित करती है।"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

b) What do you understand by the term 'situation ethics'? Critically analyze its strengths and weaknesses in making moral judgements. (10 marks, 150 words)

'स्थिति नैतिकता' शब्द से आप क्या समझते हैं? नैतिक निर्णय लेने में इसकी शक्तियों और कमजोरियों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

स्थिति नैतिकता, सापेक्षवादी नीति शास्त्र का एक भाग है जो यह अपेक्षा करता है कि प्रबुद्ध व्यक्ति अपनी अंतरात्मा तथा तर्क से स्थिति की मांग के अनुसार नैतिक निर्णय लेने में सक्षम होंगे.

नैतिक निर्णय लेने में शक्तियां.

1. यह प्रशासनिक विवेकाधिकार में नैतिक पक्षों को शामिल करता है यथा. मनरेगा के तहत कार्य आवंटन में औपचारिक कागज न होने पर.

II. यह जड़ / यांत्रिक नैतिकता का विरोध करता है।

III. साथ ही यह उपयोगितावादी पक्षों को बढ़ावा देता है

IV. जिससे बदलते समय में यह सार्थक होता है :) जैसे सोशल मीडिया में

निजता बनाम अभिव्यक्ति पर संतुलन स्थापित करने में:

कमजोरियाँ:

- यह प्रत्येक व्यक्ति को नैतिकता का निर्धारक बनाता है.
- लाभ तथा व्यक्तिगत हित नैतिकता पर वरीयता पाते हैं
- समाज का संचालन प्रभावित होता है.
- यह अक्सर वंचित वर्गों के प्रतिकूल होती है.
- विवादों में वृद्धि होती है।

"स्थिति नैतिकता, एक परिभाषित नैतिक व्यवस्था पर आधारित होगी यदि तो यह समाज में प्रगतिशीलता को बढ़ावा दे सकती है।"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Q.3) a) Maintaining traditional bonds and familial relationships in an increasingly globalized world requires personal relationships to be governed by ethical principles. Discuss.

(10 marks, 150 words)

तेजी से बढ़ती वैश्विक दुनिया में पारंपरिक बंधनों और पारिवारिक रिश्तों को बनाए रखने के लिए व्यक्तिगत रिश्तों को नैतिक सिद्धांतों द्वारा नियंत्रित करने की आवश्यकता है। चर्चा कीजिए।

(10 अंक, 150 शब्द)

व्यक्तिगत रिश्तों में नैतिकता

वर्तमान के परिवर्तनशील समाज में रिश्तों में गर्माहट हेतु अत्यंत आवश्यक है-

व्यक्तिगत रिश्तों में नैतिक सिद्धांतों द्वारा नियंत्रण की आवश्यकता

(i) वैश्वीकरण तथा काम के बोझ ने एकल परिवारों में वृद्धि की है वर्तमान में युवाओं की माता पिता के प्रति जिम्मेदारी हेतु नैतिक सिद्धांत यथा समर्पण, उत्तरदायित्व अत्यंत आवश्यक है।

(ii) पति पत्नी के रिश्ते परिवर्तित हुये हैं जहां दोनों बराबरी के स्तर पर हैं अतः आवश्यक है कि वह उभयनिष्ठ सिद्धांतों पर स्वीकृति हो यथा:

(iii) पारिवारिक मूल्य, एक दूसरे के प्रति

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

जिम्मेदारी तथा निजता के मूल्य का संरक्षण:

(iv) कार्यस्थल पर भी प्रतिस्पर्धा ने व्यक्तिगत रिश्तों को प्रभावित किया है जिसमें साझा लाभ: प्रतिबद्धता आदि सिद्धांत प्रभावी होंगे।

(v) परिवार: भारतीय समाज का आधारभूत भाग है अत: उसमें पारदर्शिता, एक-दूसरे का सम्मान तथा उत्तरदायित्व का सिद्धांत आवश्यक है यथा: नौकरी से समय निकालकर सामूहिक पर्यटन पर जाना:

(vi) बच्चों के साथ रिश्तों में समानुभूति तथा करुणा को प्राथमिकता देना।

"नैतिकता सर्वप्रथम परिवार तथा व्यक्तिगत रिश्तों में स्थापित होती है अत: आवश्यक है ये रिश्ते नैतिक सिद्धांतो से संचालित हों"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

b) "Why should a man be moral? Because it strengthens his will." – Swami Vivekanand. In this perspective, discuss the significance of morality for bringing efficiency and effectiveness in public administration. Do you think moral rigidity can be a hindrance in good governance?

(10 marks, 150 words)

"मनुष्य को नैतिक क्यों होना चाहिए? क्योंकि यह उसकी इच्छाशक्ति को मजबूत करता है।" – स्वामी विवेकानन्द। इस परिप्रेक्ष्य में, लोक प्रशासन में दक्षता और प्रभावशीलता लाने के लिए नैतिकता के महत्व पर चर्चा कीजिए। क्या आपको लगता है कि नैतिक कठोरता सुशासन में बाधा बन सकती है?

(10 अंक, 150 शब्द)

स्वामी विवेकानंद का उपर्युक्त कथन समाज कि अस्तित्व, उसके संचालन तथा प्रगति हेतु नैतिकता की आवश्यकता को रेखांकित करता है-

महात्मा गांधी के अनुसार भी नैतिक मूल्यों पर हमारा विश्वास, हमारी इच्छाशक्ति को मजबूत करता है यथा:

महात्मा गांधी का अहिंसा पर अडिग विश्वास.

लोक प्रशासन में दक्षता व प्रभावशीलता हेतु नैतिकता का महत्व:

(1) यह बेहतर सेवा प्रदायगी सुनिश्चित करती है यथा.

आदिवासी अधिकारों का संरक्षण.

(वन संरक्षण अधिनियम)

यह बहिष्करण की जगह समावेशिता

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

को बढ़ावा देती है।

यह राज्य धन का उपयोग गांधी के ट्रस्टीशिप सिद्धांत के अनुसार करने में सहायक

नैतिकता, योजना की जगह प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करती है यथा- असम का सोनितपुर मॉडल में स्वास्थ्य सुधार

संसाधनों का महत्तमीकरण संभव यथा- कोविड में भीलवाड़ा मॉडल

नैतिकता कठोरता सुशासन में बाधा

- यह गतिशीलता को कम करती है।
- वस्तुनिष्ठता को अधिक महत्व।
- स्पष्ट मानकों का अभाव।
- विवेक की जगह नैतिकता को बल

हालांकि नैतिकता सुशासन हेतु प्राथमिक शर्त है यह नागरिक केंद्रित प्रशासन को संभव बनाती है तथा प्रशासकों में सेवाभावना भी उत्पन्न करती है।

Feedback (For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

Q.4) a) Various practices and policies are implemented to uphold transparency, fairness, and accountability within administrative systems, encompassing both advantageous and disadvantageous aspects for the stakeholders involved and the overall administrative framework. Explore the ethical considerations that arise from the design and implementation of these administrative practices aiming to foster effective governance. (10 marks, 150 words)

प्रशासनिक प्रणालियों के भीतर पारदर्शिता, निष्पक्षता और उत्तरदायित्व को बनाए रखने के लिए विभिन्न प्रथाओं और नीतियों को लागू किया जाता है, जिसमें शामिल हितधारकों और समग्र प्रशासनिक ढांचे के लिए लाभप्रद और नुकसानदेह दोनों पहलुओं को शामिल किया जाता है। प्रभावी शासन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इन प्रशासनिक प्रथाओं के निर्माण और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले नैतिक विचारों का अन्वेषण कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

भारत में प्रभावी प्रशासन हेतु सूचना का अधिकार - 2005, नागरिक चार्टर तथा सेवोत्तम मॉडल आदि साधनों का प्रयोग किया जाता है.

प्रशासनिक प्रथाओं के निर्माण और कार्यान्वयन से उत्पन्न होने वाले नैतिक विचार :

(i) उपर्युक्त प्रथाएँ प्रशासन में नैतिकता की स्थापना के साथ साथ समाज में नैतिक प्रगति सुनिश्चित करती हैं यथा - भ्रष्टाचार पर रोक, 1988 के द्वारा समाज में भी ईमानदारी का मूल्य बढ़ना.

(ii) नागरिक चार्टर, प्रशासन को नैतिक बनाता है जो महात्मा गांधी के

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

अनुसार प्रशासन की मूलभूत आवश्यकता है।

(ii) उपर्युक्त प्रथाएँ प्रशासन को समावेशी, कल्याणकारी तथा भागीदारपूर्ण चरित्र देती है" यथा- भारत में मनरेगा या सामाजिक अंकेक्षण।

(iii) हाल ही में चीता मित्रों की व्यवस्था।

(iv) प्रशासन जब नैतिकता पर अवलंबित होता है तब यह समाज में अधिक स्वीकृति पाता है और इसे

(v) नागरिक सहयोग भी प्राप्त होता है यथा- कोविड-19 के दौरान लॉकडाउन।

(vi) प्रशासन में नैतिकता टॉप टु बॉटम नैतिक प्रथाओं का प्रवाह करने में सहायक।

"प्रशासनिक प्रथाएँ, समाज की नैतिकता में सार्थक योग देती हैं"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

b) Civil servants who embody emotional intelligence exhibit a profound understanding of the human aspect of governance, enabling them to cultivate meaningful relationships, foster cooperation, and drive positive change. Examine ways in which Emotional Intelligence can be inculcated in civil servants. (10 marks, 150 words)

सिविल सेवक जो भावनात्मक बुद्धिमत्ता का प्रतीक हैं, शासन के मानवीय पहलू की गहन समझ प्रदर्शित करते हैं, जिससे वे सार्थक रिश्ते विकसित करने, सहयोग को बढ़ावा देने और सकारात्मक बदलाव लाने में सक्षम होते हैं। उन तरीकों की परीक्षण कीजिए जिनसे सिविल सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित की जा सकती है। (10 अंक, 150 शब्द)

भावनात्मक बुद्धिमत्ता से तात्पर्य स्वयं के तथा सामने वाले की मनःस्थितियों, भावनाओं की पहचान करना तथा उनका एक सार्थक हित में प्रबंधन करने से है।

भावनात्मक बुद्धिमत्ता : सकारात्मक बदलाव
- इससे बेहतर नागरिक शिकायत निवारण सुनिश्चित
- नागरिकों का सहयोग यथा - दिल्ली में हालिया में आयी बाढ़
- विभागीय रिश्ते मजबूत होते है
- तनाव का सामना करने में सक्षम सिविल सेवक

सिविल सेवकों में भावनात्मक बुद्धिमत्ता विकसित करने के तरीके

~~हालांकि~~

(1) प्रशिक्षण के दौरान वंचित वर्गों के

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

साथ बाह्यकारी सहयोग से समानुभूति तथा सहानुभूति विकसित करना।

(ii) नौकरी के प्रारंभिक वर्षों में तनावपूर्ण विभागों में नियुक्ति

(iii) रचनात्मक कार्यों से तनाव प्रबंधन में सहयोग।

(iv) क्रोध तथा अन्य संवेगों का प्रबंधन करने हेतु वर्कशॉप का आयोजन करना।

(v) मूल्यांकन व्यवस्था सुनिश्चित करना।

(vi) आत्म अभिप्रेरण हेतु परिणामोन्मुखी सेवाओं को बढ़ावा देना।

(vii) फील्ड विजिट आदि के माध्यम से जनता से तथा उसकी भावनाओं से परिचित होने का अवसर देना।

"भारत जैसे बहुलवादी लोकतंत्र में प्रशासकों से सर्वोत्तम सेवाप्रदायगी हेतु उच्च स्तर की भावनात्मक बुद्धिमत्ता अपेक्षित है।"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Q.5) a) The challenges posed by the corporate sector's impact on climate, environmental sustainability, and living conditions has highlighted the need for responsible and inclusive business practices. In this direction, the contemporary discourse on corporate governance is emphasizing the interconnectedness of environmental, social, and governance (ESG) factors. Evaluate the ESG framework in equipping the corporate world with the capabilities to fulfill its social roles and responsibilities. (10 marks, 150 words)

जलवायु, पर्यावरणीय स्थिरता और रहने की स्थिति पर कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रभाव से उत्पन्न चुनौतियों ने जिम्मेदार और समावेशी व्यावसायिक प्रथाओं की आवश्यकता पर प्रकाश डाला है। इस दिशा में, कॉर्पोरेट प्रशासन पर समकालीन चर्चा पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) कारकों के अंतर्संबंध पर जोर दे रही है। कॉर्पोरेट जगत को अपनी सामाजिक भूमिकाओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने की क्षमताओं से लैस करने में ईएसजी ढांचे का मूल्यांकन कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द)

कॉर्पोरेट प्रशासन में ESG से तात्पर्य पर्यावरणीय स्वास्थ्य, सामाजिक उत्तरदायित्व तथा सर्वोत्तम शासन प्रथाओं को शामिल करने से है यथा:

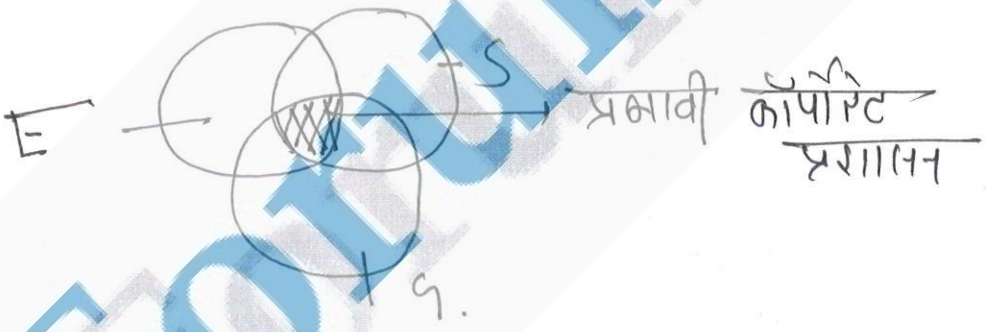

ESG ढाँचे का मूल्यांकन

(i) भारत समेत संपूर्ण विश्व में कॉर्पोरेट जगत ने वित्त हेतु ग्रीन वित्त को बढ़ावा दिया है

(ii) ESG ढाँचे ने मूल्यांकन सुविधा

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

प्रदान की है जिससे सामाजिक योजनाओं की प्रभाविता की जाँच की जा सके
यथा- रिलायंस ग्रुप का खेल तंत्र में निवेश

(iii) स्टॉक मार्केट तथा प्रबंधन में शासन में पारदर्शिता बढाने में सहायक रहा है।

चुनौतियाँ-
- जनता की सीमित भागीदारी का होना
- क्रोनी कैपिटलिज्म को बढावा देना
- ग्रीनवाशिंग पद्धतियों को सहारा लेना
- सामाजिक योजनाओं में भी लाभ का परिप्रेक्ष्य रखना
- टैक्स इवेजन आदि को रोकने में विफलता

"भारत में असमानता में वृद्धि को देखते हुये E-SG ढाँचे का प्रभावी पुनर्गठन करने की आवश्यकता है।"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

b) Uniform Civil Code (UCC) aims to create a common set of laws governing personal matters, such as marriage, divorce, inheritance, and adoption, irrespective of individuals' religious affiliations. In the context of the ongoing discourse on UCC in India, examine the challenges that arise when attempting to reconcile legal principles with diverse moral considerations. To what extent should the law be influenced by moral/religious principles? (10 marks, 150 words)

समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का उद्देश्य व्यक्तियों की धार्मिक संबद्धताओं के बावजूद, विवाह, तलाक, विरासत और गोद लेने जैसे व्यक्तिगत मामलों को नियंत्रित करने वाले कानूनों का एक सामान्य सेट बनाना है। भारत में यूसीसी पर चल रही चर्चा के संदर्भ में, विभिन्न नैतिक विचारों के साथ कानूनी सिद्धांतों के बीच सामंजस्य स्थापित करने का प्रयास करते समय उत्पन्न होने वाली चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। कानून किस हद तक नैतिक/धार्मिक सिद्धांतों से प्रभावित होना चाहिए? (10 अंक, 150 शब्द)

समान नागरिक संहिता (अनु 44) से तात्पर्य नागरिकों के सभी वर्गों हेतु एकसमान दीवानी तथा व्यक्तिगत कानूनों से है।

नैतिक विचारों तथा कानूनी सिद्धांतों के सामंजस्य में आने वाली चुनौतियाँ

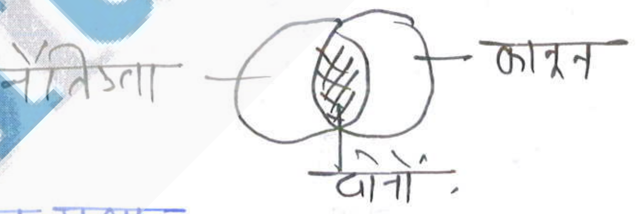

(i) नैतिक सिद्धांत यथा समानता तथा महिलाओं की समान भागीदारी से परिचालित UCC, धार्मिक मूलाधिकारों (अनु 25-28) का उल्लंघन करने की संभावना

(ii) एक समान नैतिक मूल्य: अल्पसंख्यकों पर बहुसंख्यकों की राय थोपना।

ForumIAS

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(iii) कानून, नैतिकता के स्वाभाविक परिणति हो यह आवश्यक किंतु यह व्यवहार में औचित्यपूर्ण होता है।
यथा: कई धर्मों में विवाह के भिन्न भिन्न आयु

(iv) महिलाओं के संपत्ति अधिकारों में असमानता।

कानून समाज के संचालन तथा विकास हेतु बनाये जाते हैं। अतः यह वहीं तक धार्मिकता व नैतिकता पर अवलंबित हो जब तक ये प्रगतिशीलता को बढ़ावा दें। यथा:
पर्यावरण संरक्षण का धार्मिक मूल्य,
करुणा का धार्मिक / नैतिक मूल्य।
सविस्तृत की व्यवस्था

यदि नैतिकता व धार्मिकता कानूनों को पक्षपातपूर्ण बनाए तो इससे बचा जाना चाहिए यथा:
"ईरान में महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन करते धार्मिक कानून।"

Feedback (For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Q.6) What does each of the following quotation mean to you?

निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके लिए क्या अर्थ है?

a) "When I do good, I feel good; when I do bad, I feel bad, and that is my religion" – Abraham Lincoln. (10 marks, 150 words)

"जब मैं अच्छा करता हूं, तो मुझे अच्छा लगता है; जब मैं बुरा करता हूं, तो मुझे बुरा लगता है। यही मेरा धर्म है" – अब्राहम लिंकन (10 अंक, 150 शब्द)

अब्राहम लिंकन का यह कथन सापेक्षवादी नैतिकता पर प्रकाश डालता है। इसके अनुसार व्यक्ति अगर अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनता है तो अधिक संभावना है कि वह नैतिक होगा यथा सोशल मीडिया में फेक न्यूज का प्रसार न करना।

यदि हम यह समझने में या महसूस करने में सक्षम हो जाते हैं कि हमारे द्वारा अच्छा व बुरा कार्य करने की कसौटियां क्या हैं तो हम अच्छे कार्यों की ओर उन्मुख होंगे क्योंकि यह हमारी आत्म संतुष्टि तथा सामाजिक उत्तरदायित्व को पूरा करता है यथा

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

किसी प्रशासक द्वारा बिना दबाव में आये पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन को सुनिश्चित करना।

साथ ही हमारे द्वारा गलत/बुरे कृत्य करने पर अगर हम बुरा अनुभव करते हैं यथा- ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन आदि

तो की संभावना है कि अगली बार हम वह कृत्य नहीं करेंगे और हमारा आचरण और अधिक नैतिक होगा। यथा- बुरी अनुभूति से बचने के लिये हम सांप्रदायिक टिप्पणी करने से बचेंगे।

अब्राहम लिंकन का उपर्युक्त कथन व्यक्ति के तर्कशील दिमाग तथा अंतरात्मा की शक्ति में विश्वास व्यक्त करता है जो नैतिकता की स्थापना हेतु आवश्यक भी है।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

b) "Real change, enduring change, happens one step at a time." – Ruth Bader Ginsburg.

(10 marks, 150 words)

"वास्तविक परिवर्तन, स्थायी परिवर्तन, एक समय में, एक कदम होता है।" – रूथ बेडर गिन्सबर्ग

(10 अंक, 150 शब्द)

परिवर्तन एक मात्र स्थायी घटना है साथ ही यह सतत व आवश्यक है। गिन्सबर्ग का यह कथन इसी मान्यता को संबोधित करता है।

आग के आविष्कार से लेकर वर्तमान का दौर तक हमने कई परिवर्तनों को आत्मसात किया है किंतु वे सभी परिवर्तन एक साथ न होकर एक समय हुए तथा स्थायी स्थिति साबित हुए।

वर्तमान में प्रशासन की प्रभाविता में वृद्धि करने हेतु उसे अधिक समावेशी बनाने हेतु परिवर्तन की आवश्यकता है किंतु यह परिवर्तन एक समय में एक कदम के रूप में होना चाहिए यथा :

सर्वप्रथम कार्यसंस्कृति में परिवर्तन

तत्पश्चात परिणामोन्मुखी प्रशासन को बढ़ावा।

इस कथन की सर्वोत्तम परिणति हमें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में देखने को मिली जहाँ स्वदेशी, असहयोग, सविनय अवज्ञा तथा भारत छोड़ो आंदोलन के माध्यम से एक समय श्रेष्ठ परिवर्तन घटित हुआ और वे सभी परिवर्तन स्थायी परिवर्तन के रूप में सामने आये।

इसी प्रकार नैतिक मूल्यों में परिवर्तन भी क्रमिक होता है यथा

व्यक्तिगत आचरण → प्रतिमान → प्रथा

नैतिकता ← लोकाचरण ← रूढ़ि

अतः हमें प्रयास करना चाहिए कि एक अच्छे समाज हेतु हम पहला कदम बढ़ाने में झिझकें नहीं।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

c) "Happiness is that state of consciousness which proceeds from the achievement of one's values" – Ayn Rand. (10 marks, 150 words)

"खुशी चेतना की वह अवस्था है जो किसी के मूल्यों की उपलब्धि से अधिक है" – एयन रैंड। (10 अंक, 150 शब्द)

सभी नैतिक व्यवस्थाओं के मूल में खुशी की प्राप्ति है। खुशी एक सर्वोत्तम स्तर की अनुभूति है।

समाज में हम विभिन्न मूल्यों को अपनाते हैं यथा सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता आदि किंतु सभी का उद्देश्य मानव तथा जीव कल्याण को सुनिश्चित करते हुये खुशी की प्राप्ति करना है

यथा- भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन में लोकपाल बिल के पश्चात कार्यकर्ताओं को प्राप्त होने वाली खुशी।

हालांकि खुशी भी आत्मनिष्ठ अवधारणा है जो किसी के लिये निजी लाभ में वृद्धि से संबंधित हो सकती है यथा-

व्यापारी हेतु व्यापार में लाभ।

ForumIAS

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

यह कभी कभी सामूहिक उपलब्धि के रूप में आती है यथा भारत में चंद्रयान-3 की सफलता पर खुशी।

हालांकि खुशी का वह रूप सर्वोत्तम है जो नैतिक मूल्यों तथा नैतिकता के निर्वहन के साथ आता है यथा महात्मा बुद्ध द्वारा प्रथम संदेश देने के पश्चात अनुभूति होने वाली खुशी।

या IPC की धारा 377 की वैधता मान्य करने के पश्चात होने वाली खुशी-

खुशी सर्वाधिक संभव होने वाली चेतन अवस्था है अतः इस ओर हमें निरंतर प्रयास करना चाहिए और कोशिश हो कि वह "स्वार्थमूलक खुशी न होकर सर्वार्थमूलक खुशी हो।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Section - B

Q.7) Jiya is a first-year student studying political science in a metropolitan city. Jiya belongs to Viddhi, a village located in the state of Satya Pradesh. Even though Jiya is very fond of her ancestral home, she has limited knowledge about the socio-cultural aspects of the region.

One day, while talking to her father, Jiya expresses her desire to visit her ancestral place. Her father readily agrees, and advises Jiya to inform her paternal uncle, Suresh, who lives in Viddhi, about her travel plans. On the destined day, Jiya arrives at her village to a grand welcome organised by her uncle. Later in the day, Suresh informs Jiya that in the evening they were all to attend a marriage function in the village. At the function, while having dinner, Jiya noticed that a separate seating arrangement was being made for some people. Unlike others, these people were waiting for their meals sitting on the floor, at a substantial distance from the main dining area. This made Jiya curious. On enquiring, Alakh, a 15-year-old boy, told Jiya that the members of his communities were not allowed to sit on chairs in any public occasion in the village. Alakh also told Jiya that even though he did not like the idea of sitting down in front of his friends, his mother and father, both advised him to follow the norm. Jiya asked him as to why different treatment was meted out to some people despite belonging to the same place. Alakh informed Jiya that even though they all belonged to Viddhi, members of his communities lived in separate habitations; had separate wells; and even worshiped in separate places. He also told her that various prohibitions were put on them like they were not supposed to ride a horse as part of their wedding procession, not allowed to wear turbans, which was a common head gear for others etc. Upon returning from the function, Jiya talked to her uncle about the matter. Suresh told Jiya that it is an accepted practice in the region and it is not wise to question the age-old traditions.

Next day, while going to the market with her aunt, Jiya passes by the local government school. She at once recognized Alakh in the school uniform. To her surprise, instead of studying inside with other students, he, along with some other students, was sweeping the school corridor. While Jiya was perplexed, her aunt passed it off as a routine affair and told her that it was not out of ordinary for the likes of Alakh to do such jobs.

Though Jiya left for her home in a few days, the incidents in Viddhi left an indelible mark on her psyche. As a political science student, Jiya realised that such practices and traditions were a blatant violation of an individual's rights. However, what she did not understand was the reasons behind overt acceptance of such practices by the society.

The things witnessed by Jiya at Viddhi are not isolated incidents, but a part of larger systematic cycle of exclusion, and marginalisation. Such incidents are commonplace in many parts of the country even today.

a) Discuss the role of various stakeholders in checking such biases and building an egalitarian order.

b) Why do such discriminatory practices continue in the society? (20 marks, 250 words)

जिया एक महानगरीय शहर में राजनीति विज्ञान की पढ़ाई कर रही प्रथम वर्ष की छात्रा है। जिया सत्य प्रदेश राज्य में स्थित एक गांव विधि से ताल्लुक रखती हैं। भले ही जिया को अपने पैतृक घर से बहुत प्यार है, लेकिन उन्हें इस क्षेत्र के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं के बारे में सीमित जानकारी है।

एक दिन, जिया अपने पिता से बात करते हुए अपने पैतृक स्थान पर जाने की इच्छा व्यक्त करती है। उसके पिता तुरंत सहमत हो जाते हैं, और जिया को सलाह देते हैं कि वह अपने मामा, सुरेश, जो विधी में रहते हैं, को अपनी यात्रा योजनाओं के बारे में सूचित करें। नियत दिन पर, जिया अपने चाचा द्वारा आयोजित एक भव्य स्वागत के लिए अपने गांव पहुंचती है। बाद में दिन में, सुरेश ने जिया को सूचित किया कि शाम को वे सभी गाँव में एक विवाह समारोह में शामिल होने वाले थे। समारोह में डिनर करते वक्त जिया ने देखा कि कुछ लोगों के लिए अलग से बैठने की व्यवस्था की जा रही थी। दूसरों के विपरीत, ये लोग मुख्य भोजन क्षेत्र से काफी दूरी पर, फर्श पर बैठकर अपने भोजन का इंतजार कर रहे थे। इससे जिया

को उत्सुकता हुई. पूछताछ करने पर, 15 वर्षीय लड़का अलख ने जिया को बताया कि उसके समुदाय के सदस्यों को गाँव में किसी भी सार्वजनिक अवसर पर कुर्सियों पर बैठने की अनुमति नहीं है। अलख ने जिया को यह भी बताया कि भले ही उसे अपने दोस्तों को उसके माता–पिता के सामने बैठने का विचार पसंद नहीं था, लेकिन उसके माता–पिता ने उसे आदर्श का पालन करने की सलाह दी। जिया ने उनसे पूछा कि एक ही जगह के होने के बावजूद कुछ लोगों के साथ अलग–अलग व्यवहार क्यों किया जाता है। अलख ने जिया को सूचित किया कि भले ही वे सभी विधि के थे लेकिन उसके समुदाय के सदस्य अलग बस्तियों में रहते हैं; अलग कुएँ हैं; और अलग पूजा पूजा स्थल भी हैं। उन्होंने उसे यह भी बताया कि उन पर कई तरह की पाबंदियां लगाई गई हैं, जैसे कि उन्हें अपनी शादी की बारात में घुड़सवारी नहीं कर सकते, पगड़ी पहनने की इजाजत नहीं हैं, जो अन्य लोगों के लिए यह एक आम पहनावा था आदि। समारोह से लौटने पर, जिया इस मामले में उसके चाचा से बात की। सुरेश ने जिया से कहा कि यह क्षेत्र में एक स्वीकृत प्रथा है और सदियों पुरानी परंपराओं पर सवाल उठाना बुद्धिमानी नहीं है।

अगले दिन, अपनी मौसी के साथ बाज़ार जाते समय जिया स्थानीय सरकारी स्कूल के पास से गुज़रती है। उसने स्कूल यूनिफॉर्म में अलख को तुरंत पहचान लिया। उसे आश्चर्य हुआ, जब वह अन्य छात्रों के साथ अंदर पढ़ने के बजाय, कुछ अन्य छात्रों के साथ, स्कूल के गलियारे में झाड़ू लगा रहा था। जबकि जिया हैरान थी, उसकी चाची ने इसे एक नियमित प्रथा बताया और उससे कहा कि अलख जैसे लोगों के लिए ऐसी नौकरी करना सामान्य प्रथा से अलग नहीं है।

हालाँकि जिया कुछ ही दिनों में अपने घर चली गई, लेकिन विधि की घटनाओं ने उसके मानस पटल पर अमिट छाप छोड़ी। एक राजनीति विज्ञान की छात्रा के रूप में, जिया को एहसास हुआ कि ऐसी प्रथाएँ और परंपराएँ किसी व्यक्ति के अधिकारों का घोर उल्लघन थीं। हालाँकि, वह यह नहीं समझ पाई कि समाज द्वारा ऐसी प्रथाओं को खुलेआम स्वीकार किए जाने के पीछे क्या कारण हैं।

विधि में जिया ने जो कुछ देखा, वह अलग–अलग घटनाएँ नहीं हैं, बल्कि बहिष्कार और हाशिए पर जाने के बड़े व्यवस्थित चक्र का हिस्सा हैं। देश के कई हिस्सों में आज भी ऐसी घटनाएं आम हैं.

a) ऐसे पूर्वाग्रहों को रोकने और समतावादी व्यवस्था के निर्माण में विभिन्न हितधारकों की भूमिका पर चर्चा कीजिए।

b) समाज में ऐसी भेदभावपूर्ण प्रथाएँ क्यों जारी हैं? (20 अंक, 250 शब्द)

यह प्रकरण वर्तमान भारत के उस विरोधाभास को बताता है जहाँ महानगरों विश्वविद्यालयों आदि में शोषण खत्म हो चुका है किंतु भारत के ग्रामीण पटल पर वह अभी भी अपने विकृत रूप में विद्यमान है।

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

@. प्रकरण में निहित पूर्वाग्रह .

I. जातीय हीनता . अलख तथा उसका समुदाय इसी जातीय हिनता से पीड़ित है.

II. उच्च वर्ग की भावना .

सामूहिक भोजों में अलग तथा ऊँचे स्थानों पर बैठना, इसी जातीय श्रेष्ठता के पूर्वाग्रह का परिणाम है.

III. विशेषाधिकारों को कायम रखना.

समाज में उच्च वर्ग अपने विशेषाधिकारों की रक्षा हेतु सामाजिक संस्थाओं में परिवर्तन लाता है.

यहाँ अलग कुओं की व्यवस्था

विभिन्न हितधारक तथा उनकी भूमिका .

अलख का समुदाय . यहाँ पर यह पीड़ित समुदाय है जो अस्पृश्यता तथा अन्य कुरीतियों का शिकार है। इन्हें चाहिए कि

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

ये अपने संवैधानिक अधिकारों (अनु. 15-18), नागरिक अधिकार अधिनियम 1955 का सहारा लें और भेदभाव का प्रतिकार करें।

उच्चवर्ग: शोषण करने वालों में शामिल, नैतिकता तथा सामाजिक न्याय हेतु इन्हें शोषणपरक रीतियों को त्यागना चाहिए।

जिया तथा उसका परिवार:

उसके परिवार तथा समपरिवारों से अपेक्षित है वह समाज में परिवर्तन का माहौल स्थापित करें।

कानून प्रवर्तन एजेंसियाँ तथा राज्य

समाज तथा विद्यालय में शोषण आपराधिक कार्य है। यह राज्य की सत्ता को भी कमजोर करता है।

विश्वविद्यालय तथा महानगर:

उनसे अपेक्षित है कि वे सैद्धांतिक के साथ साथ समाज में व्यावहारिक

ForumIAS

परिवर्तन को प्रेरित करें।

(b) समाज में ऐसी भेदभाव पूर्ण प्रथाएँ जारी रहने के कारण

(i) वंचित वर्गों के सशक्तीकरण में कमी

इस कारण से यह वर्ग अपने अधिकारों के प्रति जागरूक नहीं हो पाता तथा प्रतिकार करने में अक्षम हो पाता है

(ii) रोजगार की कमी

रोजगार के वैकल्पिक साधनों की कमी उन्हें उच्च वर्गों पर निर्भर बनाती है

(iii) कानून प्रवर्तन एजेंसियों की विफलता

भारत में किसी भी प्रकार का शोषण तथा अस्पृश्यता अपराध है किंतु पुलिस तथा प्रशासन इसे रोकने में सक्षम साबित नहीं हुआ।

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(iv) सामाजिक मनोवृत्ति

ग्रामीण भारत में अभी भी शिक्षा का स्तर निम्न है जो पारंपरिक मनोवृत्ति को कायम रखने में सहायक है।

(v) राजनीतिक दुरुपयोग

भारत में जातिव्यवस्था, राजनीतिक लाभों के साथ जुड़कर और अधिक सशक्त हुयी है।

(vi) मूकदर्शक बनाना

अन्य वर्ग जो न शोषण कर रहे हैं और न ही शोषित हैं वे मूक दर्शक मात्र होते हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव में आवश्यकता है कि सभी वर्गों की सक्रियता से भारत में अमानवीय ऐतिहासिक शोषण खत्म हो तथा समावेशी समाज का निर्माण हो।"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.8) Pratap is a data engineer working in ABC Infocom. Pratap is a sincere employee who is liked equally by his superiors, colleagues, and subordinates. One day, during the lunch hour, a few colleagues were discussing a news item. There was a rally/parade in support of the LGBTQIA+ community which was to be held on the coming Sunday. While the news item was a matter of intrigue and fun for all, Pratap was sensitive about the issue. He explained to his colleagues the importance of understanding the demands of the LGBTQIA+ for equal civil rights as enjoyed by others. Kamal, a colleague of Pratap, believed such tendencies are not in the favour of the traditional values of the society. Another employee, Sushma, said that she has heard some experts on various news channel talking about how the demands being raised by the LGBTQIA+ community are against the laws of nature. Bhanu, the sales team manager, too agreed with the majority opinion; Bhanu said that his parents believe that the inclinations of LGBTQIA+ people are a manifestation of mental illness. Pratap's reasoning in favour of equal rights for all was of no consequence to his colleagues who seemed to have a rigid attitudinal build up against the community as a whole.

On the designated day when the rally was to take place, Kamal was watching the coverage of the parade live from his home. To his astonishment, he saw Pratap in the LGBTQIA+ rally. Next day at the office, when Kamal told Pratap that he saw him participating in the parade, Pratap agreed, and told Kamal that he was gay. After this incident Pratap began to see visible changes in the behaviour of not only his colleagues and subordinates but also the management of the office. While earlier all pestered Pratap to be present for various official and personal occasions, now he increasingly felt unwanted. Even his colleagues started taking their lunch separately. Pratap was earlier respected and revered by all for his sincerity and dedication. But now his professional qualities were overlooked and he became an object of amusement for all. He noticed that people started calling him by different names which he realized were a slur on his personality.

Matters came to head when Pratap was overlooked for promotion. Earlier, Pratap's superiors on various occasions had told him that his good work has benefitted the organization immensely and he was due for promotion after the next appraisal. Therefore, this supersession came as a rude and disappointing shock to Pratap, and he fell into a mire of self-doubt and loathing. The conditions came to such a pass that, Pratap, who was earlier a happy go lucky, caring, and a self-aware person, started remaining depressed.

a) What are the qualities lacked by the colleagues and superiors of Pratap?

b) What could be the possible reasons behind the negative attitude of office employees towards LGBTQIA+ community?

c) As a friend of Pratap, what advice will you give him? (20 marks, 250 words)

प्रताप एबीसी इन्फोकॉम में कार्यरत एक डेटा इंजीनियर हैं। प्रताप एक ईमानदार कर्मचारी है जिसे उसके वरिष्ठ, सहकर्मी और अधीनस्थ समान रूप से पसंद करते हैं। एक दिन, दोपहर के भोजन के समय, कुछ सहकर्मी एक समाचार पर चर्चा कर रहे थे। LGBTQIA+ समुदाय के समर्थन में एक रैली थी जो आने वाले रविवार को होनी थी। जबकि समाचार सभी के लिए कौतूहल और मनोरंजन का विषय था, प्रताप इस मुद्दे को लेकर संवेदनशील थे। उन्होंने अपने सहयोगियों को दूसरों के समान समान नागरिक अधिकारों के लिए LGBTQIA+ की मांगों को समझने का महत्व समझाया। प्रताप के सहकर्मी कमल का मानना था कि ऐसी प्रवृत्तियाँ समाज के पारंपरिक मूल्यों के पक्ष में नहीं हैं। एक अन्य कर्मचारी, सुषमा ने कहा कि उन्होंने विभिन्न समाचार चैनलों पर कुछ विशेषज्ञों को यह बात करते हुए सुना है कि कैसे LGBTQIA+ समुदाय द्वारा उठाई जा रही मांगें प्रकृति के नियमों के खिलाफ हैं। सेल्स टीम मैनेजर भानु भी बहुमत की राय से सहमत थे, भानु ने कहा कि उनके माता–पिता का मानना है कि LGBTQIA+ लोगों का झुकाव मानसिक बीमारी का प्रकटीकरण है। सभी के लिए समान अधिकारों के पक्ष में प्रताप का तर्क उनके सहयोगियों के लिए कोई मायने नहीं रखता था, जो समग्र रूप से समुदाय के खिलाफ एक कठोर रवैया रखते थे।

निर्धारित दिन जब रैली होनी थी, कमल अपने घर से रैली का लाइव कवरेज देख रहे थे। उन्हें आश्चर्य हुआ जब उन्होंने प्रताप को LGBTQIA+ रैली में देखा। अगले दिन कार्यालय में जब कमल ने प्रताप को बताया कि उसने उसे परेड में भाग लेते देखा है, तो प्रताप सहमत हो गया और उसने कमल को बताया कि वह समलैंगिक है। इस घटना के बाद प्रताप को न केवल अपने सहकर्मियों और अधीनस्थों बल्कि कार्यालय के प्रबंधन के व्यवहार में भी स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देने लगा। जबकि पहले सभी लोग प्रताप को विभिन्न आधिकारिक और व्यक्तिगत अवसरों पर उपस्थित रहने के लिए परेशान करते थे, अब वह स्वयं को अवांछित महसूस करने लगे। यहाँ तक कि उनके सहकर्मी भी अपना दोपहर का भोजन अलग करने लगे। प्रताप पहले अपनी ईमानदारी और समर्पण के कारण सभी का आदर और सम्मान करते थे। लेकिन अब उनके पेशेवर गुणों को नजरअंदाज कर दिया गया और वह सभी के लिए मनोरंजन की वस्तु बन गये। उन्होंने देखा कि लोग उन्हें अलग–अलग नामों से बुलाने लगे, जिससे उन्हें एहसास हुआ कि यह उनके व्यक्तित्व पर कलंक है।

मामला तब तूल पकड़ गया जब पदोन्नति के लिए प्रताप की अनदेखी की गई। इससे पहले, विभिन्न अवसरों पर प्रताप के वरिष्ठों ने उन्हें बताया था कि उनके अच्छे काम से संगठन को काफी फायदा हुआ है और अगले मूल्यांकन के बाद उनकी पदोन्नति होनी है। इसलिए, यह अधिक्रमण प्रताप के लिए एक कठोर और निराशाजनक आघात के रूप में आया, और वह आत्म–संदेह और घृणा के दलदल में गिर गया। स्थितियाँ ऐसी आ गईं कि प्रताप, जो पहले खुशमिजाज, देखभाल करने वाला और आत्म–जागरूक व्यक्ति था, उदास रहने लगा।

a) प्रताप के सहकर्मियों और वरिष्ठों में किन गुणों की कमी है?

b) LGBTQIA+ समुदाय के प्रति कार्यालय कर्मचारियों के नकारात्मक रवैये के पीछे संभावित कारण क्या हो सकते हैं?

c) प्रताप के मित्र होने के नाते आप उसे क्या सलाह देंगे? (20 अंक, 250 शब्द)

समाज ने निश्चित तौर पर नैतिक मूल्यों में प्रगति की है। हम टॉमस हॉब्स की स्वार्थमूलक व्यवस्था से आज समलैंगिक अधिकारों की बहस तक पहुंचे हैं। किंतु अभी भी समलैंगिकों के पक्ष में सकारात्मक अभिवृत्ति दूर की कौड़ी है। यह प्रकरण इसी मुद्दे को विशदता के साथ उद्घाटित करता है।

ForumIAS

(a). प्रताप के सहकर्मियों कमल, सुषमा, भानु आदि में निम्न गुणों की कमी है.

(i) समानुभूति:

समलैंगिकों को समान रूप से व्यक्ति न समझना

(ii) प्रगतिशीलता.

सुषमा द्वारा यह कहना कि उनकी माँग प्रगतिशीलता के खिलाफ है.

(iii) निष्पक्षता तथा तटस्थता

स्वस्थ कार्य संस्कृति हेतु आवश्यक है कि सहकर्मी तथा वरिष्ठ प्रताप के कार्य को देखते हुये उसके प्रमोशन को सुनिश्चित करते.

(iv) सामाजिक न्याय -

प्रताप पर टिप्पणी करके यह वर्ग शोषण को और अधिक बढ़ावा दे रहा है -

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(5) LGBTQIA+ के प्रति नकारात्मक रवैये के पीछे कारण

(i) सामाजिक नैतिकता

वर्तमान में भारत में बहुसंख्यक वर्ग LGBT समूह के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति रखता है।

(ii) सही समझ का अभाव

लैंगिक तथा प्राकृतिक नियमों की मिथ्या व्याख्या भी नकारात्मक भेदभाव को प्रोत्साहित करती है।

(iii) नैतिक मूल्यों की कमी

करुणा तथा समावेशिता के मूल्य का न होना वंचित वर्गों के बहिष्करण में वृद्धि करता है।

(iv) नैतिकता का कानून पर अवलंबित न होना

LGBTQ समुदाय के शोषण को

रोकने हेतु समर्पित कानून का अभाव है जो नकारात्मक रवैये को बढ़ावा देता है।

(b) LGBTQ को कलंक तथा मानसिक बीमारी से संबंधित करना

यह इस वर्ग को घृणा तथा भेदभाव हेतु सुभेद्य बनाता है।

(c) प्रताप के मित्र के रूप में मैं उसे निम्न सलाह दूंगा।

(i) चूँकि प्रताप कर्मठ तथा खुशमिजाज व्यक्ति है अतः उसे यह समझाना कि उसका व्यक्तित्व अमूल्य है अतः किसी भी प्रकार का हीनताभाव मन में न लाये

⇓

साथ ही कुछ प्रगतिशील व्यक्तियों से साथ प्रताप का संपर्क जिससे हीनता भाव दूर हो।

ForumIAS

(ii) प्रमोशन न होना प्रताप के साथ भेदभाव है अतः यह सलाह देना कि वह कंपनी कि मैकेनिज्म का प्रयोग करते हुये अपनी आवाज उठाये.

(iii) सर्वप्रथम प्रताप को अपनी तरफ से सहकर्मियों के प्रति दोस्ती हेतु सलाह देना

⇓

(iv) यदि भेदभाव पूर्ण रवैया जारी रहता है तो कानूनी सहायता भी ली जा सकती है

(iv) कंपनी की कार्यसंस्कृति को समावेशी बनाने हेतु संबंध तक बात पहुचाना.

" प्रताप सामाजिक तथा कार्यस्थल दोनों जगहों पर भेदभाव का शिकार है. हमें आवश्यकता है कि हम अपने मूल्यों तथा व्यवहार की जाँच करते रहें। जिससे हमारा व्यवहार प्रताप तथा अन्य के प्रति दुःखद न बन जाये।"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Forum IAS

Q.9) Prachinmath is a pilgrim town nestled in the laps of Himalayas. The town is part of one of the border states of the country. It serves as the base for a highly revered and well-known pilgrimage undertaken by millions of people every year. The people of Prachinmath, who are largely from a close-knit community of Pahadi tribe, have lived in the area for several generations. The Pahadi people, since many generations, have developed a lifestyle which is integral to the ecosystem of Prachinmath. The traditional knowledge of the tribe passed from one generation to other have helped the people in living with the environment in a sustainable manner. The people of Prachinmath worshipped the local deity, and believed it to be their destiny to live in the region in a peaceful and harmonious way.

However, the increasing pace of unplanned development, uncontrolled religious tourism, creation of strategic infrastructure etc., in the contemporary times have fundamentally altered the minimalistic nature of relationship that the people of Prachinmath had with the local/fragile environment. Prachinmath Bachao Committee (PBC), a civil society organization of Pahadi tribals, has consistently opposed the unbridled and brazen exploitation of the resources of Prachinmath. They have through petitions, jan sabhas, nukkad nataks etc., highlighted the grave consequences of the unsustainable development model that the state and the Union governments were adopting for Prachinmath. However, their petitions had fallen on deaf ears. Moreover, the government justified the infrastructure creation in Prachinmath in order to cater to its strategic and religious significance.

The problems came to a head when the government decided to construct a tunnel in Prachinmath, in order to generate hydroelectricity. The PBC as well as prominent geologists of the country vehemently opposed the idea citing its negative impact upon the region. The scientific community was of the opinion that as Prachinmath sits on geological fault lines and is built on a debris of a landslide, any large-scale construction may cause irreparable damage to the environment. Nevertheless, the government went ahead with the project, constructing the tunnel in a record time, citing its necessity for the energy security of the country. Even many economists were of the opinion that increased energy capacity will help India curtail its import bill. Such steps were hailed by the government as the stepping stone of the country towards strategic autonomy.

The worst fears of the local and scientific communities came true when the houses in Prachinmath started showing large cracks. The reason for the crack, as found out after a detailed study, was attributed to the subsidence of land in Prachinmath. The sinking of the land, development of large cracks, collapsing of the buildings etc., caught the attention of social, electronic, and print media alike. Overnight, Prachinmath became the talk of the country. Even the international media highlighted the episode, and the existential threat that it posed to the local communities as well as the environment. The state and Union governments swung into action and formed an expert committee, comprising of scientists, bureaucrats, NDRF/SDRF personnel etc., to look into the matter. The committee advised the government to evacuate Prachinmath completely, as the sinking of the land was continuing. Working on the recommendations of the committee, government prepared a detailed resettlement and rehabilitation plan for the people of Prachinmath.

The Pahadi people, who squarely blamed the government for the crisis, felt cheated by the actions of the government and refused to evacuate from Prachinmath, the place of their ancestors.

a) What are the various conflicting interests in the above case study.

b) As a DM of the district in which Prachinmath falls, how will you convince the people to evacuate from the area?

c) What can we do to avoid such situations in the future. (20 marks, 250 words)

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

प्राचीनमठ हिमालय की गोद में बसा एक तीर्थ नगर है। यह शहर देश के सीमावर्ती राज्यों में से एक का हिस्सा है। यह हर साल लाखों लोगों द्वारा की जाने वाली अत्यधिक पूजनीय और प्रसिद्ध तीर्थयात्रा के लिए महत्वपूर्ण स्थल के रूप में कार्य करता है। प्राचीनमठ के लोग, जो मुख्यतः पहाड़ी जनजाति के घनिष्ठ समुदाय से हैं, कई पीढ़ियों से इस क्षेत्र में रह रहे हैं। पहाड़ी लोगों ने, कई पीढ़ियों से, एक ऐसी जीवन शैली विकसित की है जो प्राचीनमठ के पारिस्थितिकी तंत्र का अभिन्न अंग है। जनजाति का पारंपरिक ज्ञान एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक हस्तांतरित होने से लोगों को पर्यावरण के साथ टिकाऊ तरीके से रहने में मदद मिली है। प्राचीनमठ के लोग स्थानीय देवता की पूजा करते थे, और मानते थे कि इस क्षेत्र में शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण तरीके से रहना उनकी नियति है।

हालाँकि, समकालीन समय में अनियोजित विकास, अनियंत्रित धार्मिक पर्यटन, रणनीतिक बुनियादी ढांचे के निर्माण आदि की बढ़ती गति ने प्राचीनमठ के लोगों के स्थानीय/ संवेदनशील पर्यावरण के साथ संबंधों की न्यूनतम प्रकृति को मौलिक रूप से बदल दिया है। पहाड़ी आदिवासियों का एक नागरिक समाज संगठन, प्राचीनमठ बचाओ समिति (पीबीसी) ने प्राचीनमठ के संसाधनों के बेलगाम और खुलेआम दोहन का लगातार विरोध किया है। उन्होंने याचिकाओं, जन सभाओं, नुक्कड़ नाटकों आदि के माध्यम से उस अस्थिर विकास मॉडल के गंभीर परिणामों पर प्रकाश डाला है जिसे राज्य और केंद्र सरकारें प्राचीनमठ के लिए अपना रही हैं। हालाँकि, उनकी याचिकाएँ अनसुनी कर दी गईं। इसके अलावा, सरकार ने अपने रणनीतिक और धार्मिक महत्व को पूरा करने के लिए प्राचीनमठ में बुनियादी ढांचे के निर्माण को उचित ठहराया।

समस्याएँ तब सामने आईं जब सरकार ने पनबिजली उत्पन्न करने के लिए प्राचीनमठ में एक सुरंग बनाने का निर्णय लिया। पीबीसी के साथ–साथ देश के प्रमुख भूवैज्ञानिकों ने इस क्षेत्र पर इसके नकारात्मक प्रभाव का हवाला देते हुए इस विचार का पुरजोर विरोध किया। वैज्ञानिक समुदाय की राय थी कि चूँकि प्राचीनमठ भूवैज्ञानिक भ्रंश रेखाओं पर स्थित है और भूस्खलन के वाले क्षेत्रों पर बना है, इसलिए किसी भी बड़े पैमाने पर निर्माण से पर्यावरण को अपूरणीय क्षति हो सकती है। फिर भी, सरकार ने देश की ऊर्जा सुरक्षा के लिए इसकी आवश्यकता का हवाला देते हुए, रिकॉर्ड समय में सुरंग का निर्माण करते हुए परियोजना को आगे बढ़ाया। यहां तक कि कई अर्थशास्त्रियों की भी राय थी कि ऊर्जा क्षमता बढ़ने से भारत को अपने आयात बिल को कम करने में मदद मिलेगी। सरकार द्वारा इस तरह के कदमों को देश की रणनीतिक स्वायत्तता की दिशा में पहला कदम बताया गया।

स्थानीय और वैज्ञानिक समुदायों की सबसे भयावह आशंका तब सच साबित हुई जब प्राचीनमठ के घरों में बड़ी दरारें दिखाई देने लगीं। विस्तृत अध्ययन के बाद पता चला कि दरार का कारण प्राचीनमठ में भूमि का धंसना बताया गया है। भूमि के धंसने, से बड़ी–बड़ी दरारें पड़ने, इमारतों के ढहने आदि ने सामाजिक, इलेक्ट्रॉनिक और प्रिंट मीडिया का ध्यान समान रूप से खींचा। रातों–रात प्राचीनमठ देश भर में चर्चा का विषय बन गया। यहां तक कि अंतरराष्ट्रीय मीडिया ने भी इस प्रकरण और स्थानीय समुदायों के साथ–साथ पर्यावरण के लिए अस्तित्व संबंधी खतरे को उजागर किया। राज्य और केंद्र सरकारें हरकत में आईं और इस मामले को देखने के लिए वैज्ञानिकों, नौकरशाहों, एनडीआरएफ/एसडीआरएफ कर्मियों आदि को शामिल करते हुए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया। समिति ने सरकार को प्राचीनमठ को पूरी तरह खाली कराने की सलाह दी, क्योंकि भूमि का धंसना जारी था। समिति की सिफारिशों पर काम करते हुए, सरकार ने प्राचीनमठ के लोगों के लिए एक विस्तृत विस्थापन और पुनर्वास योजना तैयार की।

पहाड़ी लोग, जिन्होंने संकट के लिए सीधे तौर पर सरकार को दोषी ठहराया था, सरकार के कार्यों से ठगा हुआ महसूस कर रहे थे और उन्होंने अपने पूर्वजों के स्थान प्राचीनमठ को खाली करने से इनकार कर दिया।

a) उपरोक्त केस स्टडी में विभिन्न परस्पर विरोधी हित क्या हैं?
b) जिस जिले में प्राचीनमठ पड़ता है, वहां के डीएम के रूप में आप लोगों को इलाका खाली करने के लिए कैसे मनाएंगे?
c) भविष्य में ऐसी स्थितियों से बचने के लिए हम क्या कर सकते हैं? (20 अंक, 250 शब्द)

उपर्युक्त प्रकरण विकास बनाम विस्थापन तथा पर्यावरण संरक्षण के २१वीं सदी के द्वंद्व को पूरी सार्थकता

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

के साथ व्यक्त कर रहा है।

@ उपर्युक्त प्रकरण में विभिन्न परस्पर विरोधी हित :

(i) विकास बनाम पारिस्थितिकी तंत्र

राजनीतिक हितों हेतु अवसंरचना का निर्माण देश की सुरक्षा हेतु आवश्यक है वहीं प्राचीनमठ की सुरक्षा पारिस्थितिकी तंत्र को अस्थिर कर रही है।

(ii) धार्मिक पर्यटन बनाम आदिवासी संस्कृति

मुख्यधारा का पर्यटन अक्सर असतत होता है जो स्थानीय तथा आदिवासी जीवन को हाशिये में धकेलता है

(iii) राज्य की ऊर्जा सुरक्षा बनाम स्थानीय आबादी का आवास का अधिकार।

(iv) ऊर्जा सुरक्षा बनाम पारिस्थितिकी सुरक्षा।

(b). डीस्प के रूप में खाली करने हेतु की जाने वाली कार्यवाही

- नागरिक समाज के प्रतिनिधियों के साथ प्रशासन की एक समिति का गठन करना

⇓

- उन्हें वैज्ञानिक साक्ष्यों तथा पुनर्वास की व्यवस्था से अवगत कराना

⇓

- यदि पुनर्वास में कुछ परिवर्तन आवश्यक है तो सरकार को सूचित करना

⇓

- स्थानीय प्रतिनिधियों को विश्वास में लेते हुये स्थानीय प्रशासन को जागरूकता हेतु निर्देशित करना।

⇓

- सोशल मीडिया तथा अन्य माध्यमों से यह संदेश देना कि यहाँ पर रुकना कैसे बच्चों, महिलाओं, वृद्धों हेतु जीवन का संकट हो सकता है।

⇓

- यह आश्वासन देना कि प्रशासन

ForumIAS

⊙ आदिवासी सांस्कृतिक स्थलों हेतु आवश्यक रक्षोपाय करेगा।

(c) भारत का संपूर्ण हिमालयी तंत्र इस समस्या की चपेट में है अतः

भविष्य की रणनीति

I. किसी भी प्रकार के अवसंरचना निर्माण से पहले गहन भू सर्वेक्षण
⊙ इसरो तथा GSI की भी सहायता।

II. अवसंरचना निर्माण आवश्यक होने पर कम सुभेद्य स्थलों का चयन

III. प्राचीनमठ जैसे भूस्खलन प्रवण क्षेत्रों को न चुनना।

IV. साथ ही अवसंरचना निर्माण में विश्वस्तरीय मानकों को अपनाना

V. समय समय पर क्षेत्र के भूसंचलन की निगरानी।

v. ऊर्जा सुरक्षा हेतु ऐसे स्थलों का चयन जो सतत बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करें ।

vi. अधिकतम की जगह वहनीय क्षमता तक

vii. पर्यटन की अधिकतम सीमा निश्चित करना तथा

ix. स्थानीय संस्कृति के संरक्षण हेतु धर्मशाला घोषणापत्र के अनुसार सतत पर्यटन को बढ़ावा देना।

"विकास तथा पर्यटन स्थानीय आबादी के विस्थापन का कारण नहीं बनना चाहिए।"

Forum IAS

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.10) Vihar is a state in the Northern part of the country. Prohibition laws in the state completely ban the storage, possession, sale, and consumption of liquor in any form. Despite the ban, the liquor mafia in the state has succeeded in supplying spurious liquor through various illegal dens. The activities of liquor mafia flourish under the nose of both the civil administration and the police department. Many Civil Society Organizations, women organizations etc., on numerous occasions complained to the authorities about the illegal production, sale, and consumption of liquor, but their complaints have fallen on deaf ears, and no substantial action was taken by the government to curb the menace.

As fate would have it, one day there was an unfortunate incident when a large group of fifty construction labourers died after consuming spurious liquor from an illegal den being operated by the mafia. Many of the victims were sole bread winners of their families. While the state was clear on its position that consuming liquor in the state was an illegal activity that warrants no sympathy or compensation (for the next of kin) from the government, families of the victims and also many CSOs were demanding compensation for the families of the deceased construction laborers.

The incident got both national and international coverage in print, electronic, as well as the social media. The pressure on the state government was mounting to amicably resolve the issue.

Anjali is posted as the Joint Secretary in the Secretariat. The CM has asked her to create a detailed report on how should the state government handle this crisis.

a) Under the given circumstances, what measures should Anjali recommend to handle the above crisis.

b) Critically evaluate the decision of state government to not compensate the victims of spurious liquor. (20 marks, 250 words)

बिहार देश के उत्तरी भाग में स्थित एक राज्य है। राज्य में शराबबंदी कानून किसी भी रूप में शराब के भंडारण, कब्जे, बिक्री और खपत पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाता है। प्रतिबंध के बावजूद राज्य में शराब माफिया विभिन्न अवैध अड्डों के माध्यम से नकली शराब की आपूर्ति करने में सफल रहे हैं। शराब माफिया की गतिविधियां नागरिक प्रशासन और पुलिस विभाग दोनों की नाक के नीचे पनपती हैं। कई नागरिक समाज संगठनों, महिला संगठनों आदि ने कई मौकों पर अधिकारियों से शराब के अवैध उत्पादन, बिक्री और खपत के बारे में शिकायत की, लेकिन उनकी शिकायतों को अनसुना कर दिया गया, और सरकार द्वारा खतरे को रोकने के लिए कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

जैसा कि भाग्य को मंजूर था, एक दिन एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटी जब माफिया द्वारा संचालित एक अवैध अड्डे से जहरीली शराब पीने के बाद पचास निर्माण मजदूरों के एक बड़े समूह की मृत्यु हो गई। पीड़ितों में से कई अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले थे। जबकि राज्य अपनी स्थिति पर स्पष्ट था कि राज्य में शराब का सेवन एक अवैध गतिविधि है जिसके लिए किसी सहानुभूति की आवश्यकता नहीं है, पीड़ितों के परिवार और CSOs भी मृत निर्माण मजदूरों के परिवारों के लिए मुआवजे की मांग कर रहे थे।

इस घटना को प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और साथ ही सोशल मीडिया में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कवरेज मिला। राज्य सरकार पर इस मुद्दे को सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझाने का दबाव बढ़ रहा था।

अंजलि सचिवालय में संयुक्त सचिव के पद पर तैनात हैं। सीएम ने उनसे एक विस्तृत रिपोर्ट बनाने को कहा है कि राज्य सरकार को इस संकट से कैसे निपटना चाहिए।

a) दी गई परिस्थितियों में अंजलि को उपरोक्त संकट से निपटने के लिए क्या उपाय सुझाने चाहिए?

b) जहरीली शराब के पीड़ितों को मुआवजा न देने के राज्य सरकार के निर्णय का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। (20 अंक, 250 शब्द)

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

उपर्युक्त मुद्दा राज्य द्वारा नियमों के क्रियान्वयन हेतु तंत्र की विफलता तथा इसके कल्याणकारी चरित्र की आवश्यकता को संबोधित करता है.

(a) यहाँ संयुक्त सचिव के रूप में अंजली को विभिन्न मुद्दों के मध्य सामंजस्य बैठाना है.

निपटने हेतु उपाय.

- अंजली द्वारा यह रिपोर्ट तैयार की जाए कि किस प्रकार ग्राउंड लेवल पर राज्य प्रशासन द्वारा नियमों का उल्लंघन हुआ है।
- उत्तरदायी प्रशासनिक तथा पुलिस अधिकारियों को निर्देशित करना.
- यह समझना कि मामला राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय महत्व का हो चुका है तथा

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

- राज्य की असफलता से मानिकों की जान गयी है
- साथ श्रमिक परिवारों की आजीविका की सुरक्षा राज्य की संवैधानिक तथा नैतिक जिम्मेदारी.

॥

- राज्य सरकार तात्कालिक रूप में
- उत्तरदायी कार्मिकों के खिलाफ कार्यवाई करे
- तथा शराब माफिया के खिलाफ कड़ी कार्यवाई
- साथ ही कल्याणकारी राज्य के रूप के उचित मुआवजे की घोषणा.
- दीर्घकालिक रूप में प्रशासन के क्षमता निर्माण में निवेश हो तथा शराबबंदी कानून की प्रभाविता हेतु कानून की पुनर्समीक्षा करायी जाये.

(b) मुआवजा न देना उचित कदम

- राज्य में शराब का सेवन अवैध

⇓

- शराब पीना राज्य कानून का उल्लंघन है तथा यह राज्य की वैधता को खतरे में डालता है

⇓

- साथ ही शराब की मांग में वृद्धि जो शराब माफिया को प्रोत्साहित करेगी।

⇓

- मुआवजा देने से राज्य खुद ही अपने कानून का उल्लंघन कर रहा है

⇓

- और यह एक गलत उदाहरण साबित होगा।

हालांकि मुआवजा देना सही व आवश्यक है क्योंकि

- श्रमिक अपने परिवार के अकेले कमाने वाले थे

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

- परिवार के सदस्यों द्वारा अपराध नहीं किया गया ⇓
- साथ ही राज्य के कल्याणकारी चरित्र की नैतिकता कि सभी को आवश्यक जीवन निर्वाह साधन उपलब्ध हों

⇓

- यह भी ध्यान में रखना कि राज्य के अभिकर्ताओं द्वारा ही कानून का उल्लंघन किया गया है

⇓

- और नकली शराब के नेक्सस में व रोकने में राज्य की विफलता भी उत्तरदायी

"राज्य स्वयं में एक नैतिक संस्था है अतः उसे अपनी नैतिकता को कायम रखने हेतु उचित मुआवजा देने की घोषणा करनी होगी।"

Feedback
(For OFFICE use only)

#	G	A	P
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

Q.11) Kamlesh is a civil servant who has been recently posted as Additional Chief Secretary in the education department of the state. Kamlesh has a meticulous service record and is well known for his honesty, and a no-nonsense attitude. After joining the new department, the first major task before Kamlesh was to conduct the recruitments for the post of lecturers in government schools. The posts were lying vacant for a long time, and the government wanted to fill up the vacancies without further delay as it was one of the poll promises made by the present government.
The recruitment process took place successfully under the supervision of Kamlesh. The concerned minister congratulated Kamlesh and informed him that the appointment letters will be allocated to the successful candidates in a ceremony which will be presided by the CM himself. Kamlesh was happy that his work was getting recognition at the highest level.
One day, Kamlesh was sitting in his office when his secretary brought him a letter from a leading investigative journalist of the state. The letter dealt with the recently conducted recruitment of the lecturers. Kamlesh was shocked at the content of the letter. The investigative journalist had alleged that the question paper of the exam was leaked to a few successful candidates, who had also forged their documents to appear in the exam. The letter also highlighted a nexus of middlemen, politicians, and civil servants who facilitate such illicit practices. Moreover, the investigative journalist had also attached credible proofs. Kamlesh corroborated the facts of the letters from his own sources and found the allegations to be true prima facie. Since the matter was serious and warranted immediate action, Kamlesh brought the matter to the notice of his minister. To his surprise, the minister asked him to sit over the matter for some time. Minister reasoned that bringing out this matter will bring ignominy not only to the department but also to the government. Further, the minister reasoned that cancelling the whole recruitment process will be detrimental for the education department, schools etc; also, the sincere and honest candidates who have invested a lot of time and money for preparation may also get affected negatively. He also reminded Kamlesh that the participation of the CM has already been announced.
After leaving the minister's office, Kamlesh got a phone call from Minister's Personal Secretary (PS). The PS hinted to Kamlesh that the concerned candidates were closely connected to the ruling political party, and going against them may create professional troubles for Kamlesh. On the other hand, his cooperation in this matter, the PS assured, will not go unnoticed and will be handsomely rewarded.
Kamlesh had just settled in his new posting. He knows that going against the wish of the Minister may cause him his present posting. What was more, Kamlesh's father is undergoing treatment in a local hospital. A shunting out from the district would mean that his father would have to be left alone to fend for himself. Further, Kamlesh's wife Priya, also a bureaucrat, is posted in the Chief Minister's Office (CMO). Kamlesh realises that his actions will also have a bearing on her career as well.
a) Bring out various ethical dilemmas faced by Kamlesh.
b) Consider yourself in Kamlesh's position. What are the various options available to you?
c) Critically evaluate each of the option listed by you.
d) Which of the above option should Kamlesh adopt and why? (20 marks, 250 words)

कमलेश एक सिविल सेवक हैं जिन्हें हाल ही में राज्य के शिक्षा विभाग में अतिरिक्त मुख्य सचिव के रूप में तैनात किया गया है। कमलेश का सेवा रिकॉर्ड बहुत अच्छा है और वह अपनी ईमानदारी और व्यावहारिक रवैये के लिए जाने जाते हैं। नए विभाग में आने के बाद कमलेश के सामने पहला बड़ा काम सरकारी स्कूलों में लेक्चरर पद पर भर्तियां कराना था। पद लंबे समय से खाली पड़े थे और सरकार बिना किसी देरी के रिक्तियों को भरना चाहती थी क्योंकि यह वर्तमान सरकार द्वारा किए गए चुनावी वादों में से एक था।
कमलेश की देखरेख में भर्ती प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न हुई। संबंधित मंत्री ने कमलेश को बधाई दी और उन्हें सूचित किया कि सफल उम्मीदवारों को एक समारोह में नियुक्ति पत्र आवंटित किए जाएंगे जिसकी अध्यक्षता खुद सीएम करेंगे। कमलेश खुश थे कि उनके काम को उच्चतम स्तर पर पहचान मिल रही है।

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

एक दिन, कमलेश अपने कार्यालय में बैठे थे, तभी उनका सचिव उनके लिए राज्य के एक प्रमुख खोजी पत्रकार का पत्र लेकर आया। यह पत्र हाल ही में आयोजित व्याख्याताओं की भर्ती से संबंधित है। पत्र का मजमून देखकर कमलेश हैरान रह गये। खोजी पत्रकार ने आरोप लगाया था कि परीक्षा का प्रश्नपत्र कुछ सफल उम्मीदवारों के लिए लीक कर दिया गया था, जिन्होंने परीक्षा में शामिल होने के लिए अपने दस्तावेज़ भी जाली बनाए थे। पत्र में बिचौलियों, राजनेताओं और सिविल सेवकों के गठजोड़ पर भी प्रकाश डाला गया है जो इस तरह की अवैध प्रथाओं को बढ़ावा देते हैं। इसके अलावा, खोजी पत्रकार ने विश्वसनीय सबूत भी संलग्न किए थे। कमलेश ने अपने स्रोतों से पत्रों के तथ्यों की पुष्टि की और आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया। चूँकि मामला गंभीर था और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता थी, इसलिए कमलेश ने मामले को अपने मंत्री के संज्ञान में लाया। उन्हें आश्चर्य हुआ जब मंत्री ने उनसे मामले पर कुछ देर बैठने के लिए कहा। मंत्री ने तर्क दिया कि इस मामले को उजागर करने से न सिर्फ विभाग बल्कि सरकार की भी बदनामी होगी। इसके अलावा, मंत्री ने तर्क दिया कि पूरी भर्ती प्रक्रिया को रद्द करना शिक्षा विभाग, स्कूलों आदि के लिए हानिकारक होगा; इसके अलावा, सत्यनिष्ठ और ईमानदार उम्मीदवार जिन्होंने तैयारी के लिए बहुत समय और पैसा निवेश किया है, उन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कमलेश को यह भी याद दिलाया कि सीएम के शामिल होने की घोषणा पहले ही हो चुकी है.
मंत्री के कार्यालय से निकलने के बाद, कमलेश को मंत्री के निजी सचिव (पीएस) का फोन आया। पीएस ने कमलेश को संकेत दिया कि संबंधित उम्मीदवार सत्तारूढ़ राजनीतिक दल से निकटता से जुड़े हुए हैं, और उनके खिलाफ जाने से कमलेश के लिए पेशेवर समस्याएं पैदा हो सकती हैं। दूसरी ओर, पीएस ने आश्वासन दिया कि इस मामले में उनके सहयोग पर किसी का ध्यान नहीं जाएगा और उसे भरपूर इनाम दिया जाएगा।
कमलेश अभी–अभी अपनी नई पोस्टिंग पर आए थे। वह जानते हैं कि मंत्री की इच्छा के विरुद्ध जाने पर उन्हें अपनी वर्तम.ान पोस्टिंग से हाथ धोना पड़ सकता है। और तो और, कमलेश के पिता का स्थानीय अस्पताल में इलाज चल रहा है. जिले से बाहर जाने का मतलब यह होगा कि उसके पिता को अपनी देखभाल के लिए अकेला छोड़ दिया जाएगा। इसके अलावा, कमलेश की पत्नी प्रिया भी एक नौकरशाह हैं, जो मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) में तैनात हैं। कमलेश को एहसास होता है कि उसकी हरकतों का असर उसके करियर पर भी पड़ेगा।

a) कमलेश द्वारा सामना की गई विभिन्न नैतिक दुविधाओं को उजागर करें।
b) अपने आप को कमलेश की स्थिति में समझें। आपके लिए विभिन्न विकल्प क्या उपलब्ध हैं?
c) आपके द्वारा सूचीबद्ध प्रत्येक विकल्प का आलोचनात्मक मूल्यांकन करें।
d) कमलेश को उपरोक्त में से कौन सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों? (20 अंक, 250 शब्द)

(1) कमलेश द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधाएँ

ईमानदारी बनाम भ्रष्टाचार में संलग्नता

कमलेश ईमानदार सिविल सेवक है, उपर्युक्त मामले को दबाना, कमलेश की ईमानदारी तथा सत्यनिष्ठा को खतरे पर डाल रहा है।

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

लोकहित बनाम निजीहित

बीमा व्यवस्था में अयोग्य व्यक्ति भरी व्यवस्था हेतु खतरा योग्य व्यक्तियों के अधिकारों का उल्लंघन.

पिता का इलाज पत्नी का कैरियर स्वयं का कैरियर तथा निजी लाभों में वृद्धि.

संवैधानिक प्रतिबद्धता बनाम राजनीतिक प्रतिबद्धता

भर्ती की जाँच करना.

मुख्यमंत्री तथा मंत्री का कृपायोग्य बनना.

आम लोगों का हित बनाम सत्ता से नजदीक लोगों का हित.

सार्वजनिक नैतिकता बनाम स्वयं का लाभ.

योग्य व्यक्तियों के कैरियर की सुरक्षा बनाम खुद का तथा पत्नी के कैरियर की चिंता.

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(b) कमलेश के रूप में मेरे पास विभिन्न विकल्प मौजूद हैं

(i) मंत्री की सलाह को मानना तथा भर्ती प्रक्रिया की जाँच न करना

(ii) खोजी पत्रकार की रिपोर्ट को सार्वजनिक कर देना।

(iii) अन्य ईमानदार विभागीय कर्मचारियों की सहायता लेना तथा आंतरिक जाँच करना और निर्बाध वितरण कार्यक्रम को त्वरागीत करना

(iv) इस्तीफा दे देना।

(c) ~~प्रथम विकल्प~~

गुण	दोष
मंत्री तथा मुख्यमंत्री की कृपापात्र बनना।	व्यावसायिक नैतिकता का उल्लंघन।
निजी लाभों में वृद्धि।	भविष्य में

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

नियुक्ति प्रक्रिया द्वारा व्यक्तिगत साख में वृद्धि।

जाँच की आशंका और पकड़े जाने का खतरा।

व्यावसायिक सत्यनिष्ठा के साथ समझौता

योग्य उम्मीदवारों के साथ अन्याय

विकल्प नं. 2.

गुण

भर्ती प्रक्रिया की कमियाँ उजागर।

अपराधी नेक्सस का खात्मा।

दोष

आचार संहिता का उल्लंघन।

शामिल खुद भर्ती प्रक्रिया के नेतृत्वकर्ता रहे हैं।

पत्रकार की सुरक्षा को खतरा।

विकल्प नं. 3

गुण

आरोपों की सत्यता सुनिश्चित।

दोष

विभागीय स्थानांतरण का खतरा।

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने में उपयोगी।

नेक्सस का खात्मा।

मुख्यमंत्री के समक्ष साक्ष्य देना।

पिता के इलाज पर प्रभाव तथा पत्नी का कैरियर।

सुरक्षा का खतरा।

विकल्प नं. 4.

गुण

मामले से अलग हो जाना।

दोष

यह सर्वाधिक दोषयुक्त विकल्प है क्योंकि यह स्थिति का सामना करने से रोकता है।

(d) मेरे मतानुसार कमलेश को विकल्प नं. 3 का चयन करना चाहिए क्योंकि

कमलेश पूर्व में ही अपनी सत्यनिष्ठा तथा व्यावसायिक सक्षमता साबित कर चुका है

↓

अतः स्थानांतरण व कार्य सुरक्षा के कम खतरे हैं।

Feedback
(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.
Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

Q.12) XYZ is a premiere coaching institute located in Chatterjee Nagar locality of Himnagar. XYZ specialises in the coaching for medical and engineering entrance examination. The main office of the coaching, where the daily classes are conducted, is located in a congested locality, from where several other coaching institutes also operate.

One day, while classes were in session in the top floor of the building and some 200 odd students were in attendance, a fire broke out in the premises of XYZ coaching. The fire incident created a commotion among those present in the building. Everyone, in a state of confusion, started running helter-skelter. Some students rushed to the very narrow stairs. Many stumbled and fell, hurting themselves. The emergency exit plan of the building was not suitable to cater to the large number of students and staff. In order to save themselves from asphyxiation, some students broke the window of the classroom. However, in absence of a fire stairs they had to climb down using the balcony ledge. In the process, many students had a free fall and hurt themselves badly.

While two boys lost their life due to stampede caused while exiting the building, one girl got fatally injured while climbing down the ledge. The civil administration immediately started an audit of the building. Joseph is posted as the Municipal Commissioner of Himnagar. Chatarjee Nagar falls under his jurisdiction. Joseph has ordered an enquiry into the whole incident.

Coincidentally, Joseph's younger brother, Frank, is also a student of XYZ coaching. He was not present in the coaching during the fateful day. The owner of the XYZ coaching approaches Joseph and requests him to be lenient in the enquiry report. They propose that looking at the good track record of Frank they are willing to give him a scholarship to fund not only his coaching fees but also his graduation from any college in the country. They also promise that since Frank is a sincere student, they will dedicate their top faculty to ensure that Frank comes out with flying colours in the coming under graduate entrance examination.

Joseph knows that his brother has repeatedly failed in the entrance examinations earlier and a special focus will help him immensely. Also, Joseph himself was under student debt, which he was still paying in small instalments from his own salary. Recently married, and having risen from a poor family, Joseph has always worried about funding his brother's education.

a) Identify various ethical concerns in the case study.

b) You are a friend of Joseph. Joseph turns to you for advice. What advice will you give to joseph and why?

(20 marks, 250 words)

XYZ एक प्रीमियर कोचिंग संस्थान है जो हिमनगर के चटर्जी नगर इलाके में स्थित है। XYZ मेडिकल और इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की महत्वपूर्ण कोचिंग है। कोचिंग का मुख्य कार्यालय, जहां दैनिक कक्षाएं संचालित होती हैं, एक भीड़भाड़ वाले इलाके में स्थित है, जहां से कई अन्य कोचिंग संस्थान भी संचालित होते हैं।

एक दिन, जब इमारत की सबसे ऊपरी मंजिल पर कक्षाएं चल रही थीं और लगभग 200 छात्र उपस्थित थे, XYZ कोचिंग के परिसर में आग लग गई। आग लगने की घटना से बिल्डिंग में मौजूद लोगों में हड़कंप मच गया। सभी असमंजस की स्थिति में इधर-उधर भागने लगे। कुछ छात्र बहुत संकरी सीढ़ियों की ओर भागे। कई लोग लड़खड़ाकर गिर पड़े, जिससे उन्हें चोट लगी। इमारत की आपातकालीन निकास बड़ी संख्या में छात्रों और कर्मचारियों के लिए उपयुक्त नहीं थी। खुद को दम घुटने से बचाने के लिए कुछ छात्रों ने कक्षा की खिड़की तोड़ दी. हालाँकि, आगे की सीढ़ियों के अभाव में उन्हें बालकनी के किनारे का उपयोग करके नीचे उतरना पड़ा। इस प्रक्रिया में, कई छात्र गिर गए और उन्हें गंभीर चोट लगी।

इमारत से बाहर निकलते समय मची भगदड़ के कारण जहां दो लड़कों की जान चली गई, वहीं एक लड़की खिड़की से नीचे उतरते समय गंभीर रूप से घायल हो गई। नागरिक प्रशासन ने तुरंत इमारत का ऑडिट शुरू किया। जोसेफ हिमनगर के नगर आयुक्त के पद पर तैनात हैं। चटर्जी नगर उनके अधिकार क्षेत्र में आता है। जोसेफ ने पूरी घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं।

संयोग से, जोसेफ का छोटा भाई, फ्रैंक भी XYZ कोचिंग का छात्र है। वह उस दिन कोचिंग में मौजूद नहीं था। XYZ कोचिंग का मालिक जोसेफ के पास जाता है और उससे जांच रिपोर्ट में नरमी बरतने का अनुरोध करता है। उनका प्रस्ताव है कि फ्रैंक के अच्छे ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए वे न केवल उसकी कोचिंग फीस, बल्कि देश के किसी भी कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई के लिए भी उसे छात्रवृत्ति देने को तैयार हैं। वे यह भी वादा करते हैं कि चूंकि फ्रैंक एक ईमानदार छात्र है, इसलिए वे यह सुनिश्चित करने के लिए अपने शीर्ष संकाय को समर्पित करेंगे कि फ्रैंक आगामी स्नातक प्रवेश परीक्षा में अच्छे अंक लेकर आए।

जोसेफ को पता है कि उसका भाई पहले भी प्रवेश परीक्षाओं में बार–बार असफल हुआ है और विशेष फोकस से उसे काफी मदद मिलेगी। इसके अलावा, जोसेफ स्वयं एक ऋण के अधीन था, जिसे वह अभी भी अपने वेतन से छोटी किस्तों में चुका रहा था। हाल ही में शादी हुई और एक गरीब परिवार से आने के कारण, जोसेफ हमेशा अपने भाई की शिक्षा के वित्तपोषण के बारे में चिंतित रहता है।

a) मामले के अध्ययन में विभिन्न नैतिक चिंताओं की पहचान करें।

b) आप जोसेफ के मित्र हैं। जोसेफ सलाह के लिए आपके पास आता है। आप जोसेफ को क्या सलाह देंगे और क्यों? (20 अंक, 250 शब्द)

उपर्युक्त मामला एक व्यापक लोक हित तथा संकीर्ण निजी हित के मध्य द्वंद्व को प्रदर्शित करता है साथ ही यह नियामकीय संस्थाओं के अप्रभाविता को भी उजागर करता है।

ⓐ. मामले में निहित नैतिक चिंताएँ

① समाज के युवा संसाधनों के सुरक्षा

मेडिकल तथा इंजीनियरिंग में पढ़ने वाले छात्र भारत जैसे विकासशील देशों हेतु अमूल्य मानव संसाधन हैं। इनमें असुरक्षित बिल्डिंग गंभीर नैतिक मुद्दों को उजागर करती है।

ForumIAS

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(ii) कोचिंग प्रशासन द्वारा लापरवाही बरतना

यह कोचिंग प्रशासन की जिम्मेदारी थी कि वह निकास तथा फायरसेफ्टी के पर्याप्त उपबंध करे।

(iii) नियामकीय संस्थाओं द्वारा कार्य की उपेक्षा

चरजीनगर इलाके के स्थानीय प्रशासन की यह जिम्मेदारी थी कि वह बिल्डिंग का अधीक्षण तथा ऑडिट सुनिश्चित करता।

(iv) छात्रों द्वारा उपेक्षा

चूंकि छात्र उच्च कक्षाओं के थे अतः उन्हें भी नियमों की जानकारी होनी चाहिए थी और कोचिंग प्रशासन को जवाबदेह बनाने की जिम्मेदारी थी

(v) लोक सेवक को रिश्वत देना

भ्रष्टाचार निवारण अधि. के तहत यह गंभीर अपराध है।

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(v) निष्पक्ष कार्यवाही सुनिश्चित न होने का खतरा

यदि मि. जोसेफ कोचिंग का प्रस्ताव स्वीकार करते हैं तो छात्रों कि सुरक्षा व्यवस्था भविष्य में भी खतरे में।

(vi) मृतक तथा घायल छात्रों को मुआवजा।

(vii) संपूर्ण देश में कोचिंग तथा शिक्षण स्थलों कि सुरक्षा सुनिश्चित करने का मुद्दा।

(b) जोसेफ को देने वाली सलाह

(i) जोसेफ को सर्वप्रथम यह समझाना कि आग में झुलसे छात्रों में तुम्हारा भाई भी हो सकता था।

(ii) साथ ही भाई को इस प्रकार शिक्षा दिलाना उसे रोजगार हेतु अनुपयुक्त तथा एक अनैतिक व्यक्ति बनाएगी।

(Don't Write anything in this Area/ इस स्थान पर कुछ न लिखें)

(iii) आगे भविष्य में जाँच होने पर जोसेफ की खुद की नौकरी पर भी संकट का खतरा आने की संभावना।

(iv) साथ ही यह सलाह देना कि छात्रों की मौत हुयी है अतः वस्तुगत व निष्पक्ष रूप से ऑडिट व्यवस्था को संपन्न करना।

(v) कोचिंग द्वारा दिये जा रहे लाभ की पेशकश को ठुकरा देना और उन्हें सचेत करना कि आप पर कानूनी कार्यवाही कर सकते हैं।

(vi) मार्ग की जीवनी हेतु राज्य के तंत्र की सहायता लेना।

उपर्युक्त के द्वारा जोसेफ अपने कर्तव्य का ईमानदारी पूर्वक निर्वाह कर सकेगा।

Feedback

(For OFFICE use only)

#	Ⓖ	Ⓐ	Ⓟ
AWIS			
CD & VA			
S & F			
P & R			

Please put tick marks in the above table.

Here G is Good, A is Average and P is Poor.

TOTAL MARKS	

ForumIAS

Mentor Feedback Questions

1 ....

2 ....

3 ....

4 ....

5 ....

Test Goal		Outcomes
1	☐	....
2	☐	....
3	☐	....

Marking Scheme

Mark	Good	Average	Below average
10 Marker	3.75 – 5.0	3.0 – 3.5	< 3.0
15 Marker	5.75 – 7.0	4.0 – 5.5	< 4.0
✓✓	Key / Relevant Point		
✗	Vague / Irrelevant		

* Subject to change without prior notice.

Availing Mentorship - Now made easy & seamless via mentorship.forumias.com

Dear Students,

You can now avail Mentorship in both online & offline mode seamlessly. All you need to do is login to below URL and pick up a date and time and your Mentorship is scheduled at the designated time.

Visit the URL https://mentorship.forumias.com or Scan the QR code

When must you seek mentorship? When you are unable to fully comprehend the directions given by the evaluator in the MGP copy. A Mentor will help you understand the nuiances of your evaluated MGP copy. He / She will also be able to make suggestions, if needed, on improvements that you could make.

If we are already doing well, a reinforcement from the Mentor will further assist us in following the right path. A Mentor may also be able to give valuable inputs with respect to time management, presentation, structure etc. He may recommend you clearly to work on content or may suggest you to take courses / read books in case he feels you lack content that may be quickly improved with a course at ForumIAS or elsewhere, or some study material.

To download topper's copies, visit the link https://blog.forumias.com/testimonials

Topper's Testimonials and Test Copies

CSE 2021 Topper's Testimonials and Test Copies

CSE Rank 1, Shruti Sharma, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 5, Utkarsh Dwivedi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 8, Ishita Rathi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 9, Preetam Kumar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 12, Yasharth Shekhar, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 14, Abhinav J Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 17, Mehak Jain, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 19, Diksha Joshi, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 20, Arpit Chauhan, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 23, Ashish, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 24, Pusapati Sahitya, Download MGP Copies Click Here
CSE Rank 25, Shruti Rajlakshmi, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 26, Utsav Anand, Download MGP Copies. Click Here
CSE Rank 28, Mourya Bharadwaj Mantri, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 30, Naman Goyal, Download MGP Copies + Testimonial Click Here
CSE Rank 33, Jaspinder Singh, Download MGP Copies. Click Here
CSE Rank 37, V Sanjana Simha, Download MGP Copies. Click Here
CSE Rank 39, Vishal Dhakad, Download MGP Copies. Click Here
CSE Rank 40, Kushal Jain, Download MGP Copies. Click Here

ForumIAS

ForumIAS